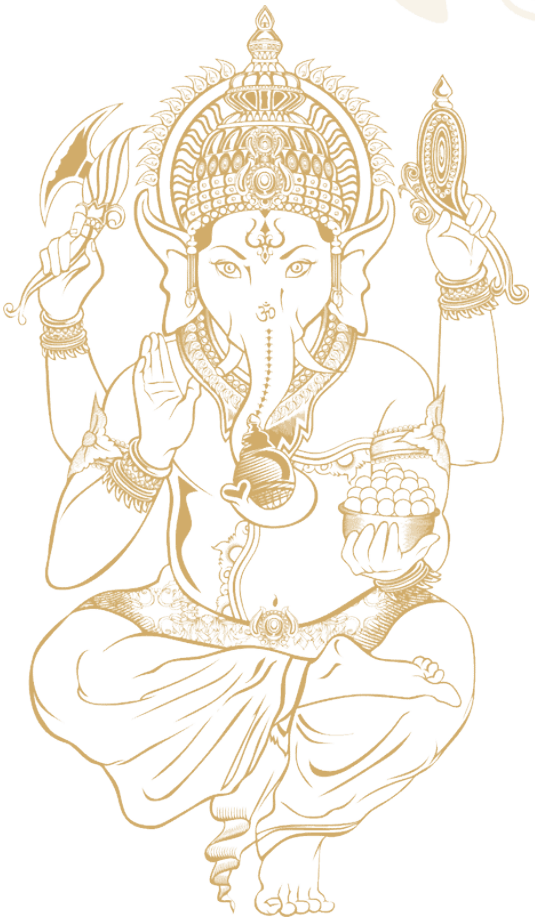

03 Jul 1974

04:30 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121408802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/07/1974**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	56:51:32 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:03:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	22:45:58 घंटे
सूर्योदय	05:45:23 घंटे
सूर्यास्त	19:15:08 घंटे
दिनमान	13:29:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:09:31 मिथुन
लग्न के अंश	29:00:01 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:00:01	340:55:25	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मिथु	17:09:31	00:57:11	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	29:47:58	12:06:07	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			कर्क	21:11:15	00:37:03	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध	व	अ	मिथु	13:53:25	00:34:02	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु			कुंभ	24:19:31	00:00:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			वृष	14:44:19	01:11:09	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	15:08:29	00:07:48	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	25:55:08	00:00:18	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	25:55:08	00:00:18	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
हर्ष			तुला	00:09:12	00:00:03	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
नेप	व		वृश्चि	13:53:17	00:01:17	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
प्लूटो			कन्या	10:39:06	00:00:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	16:27:08	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:21

लग्न-चलित

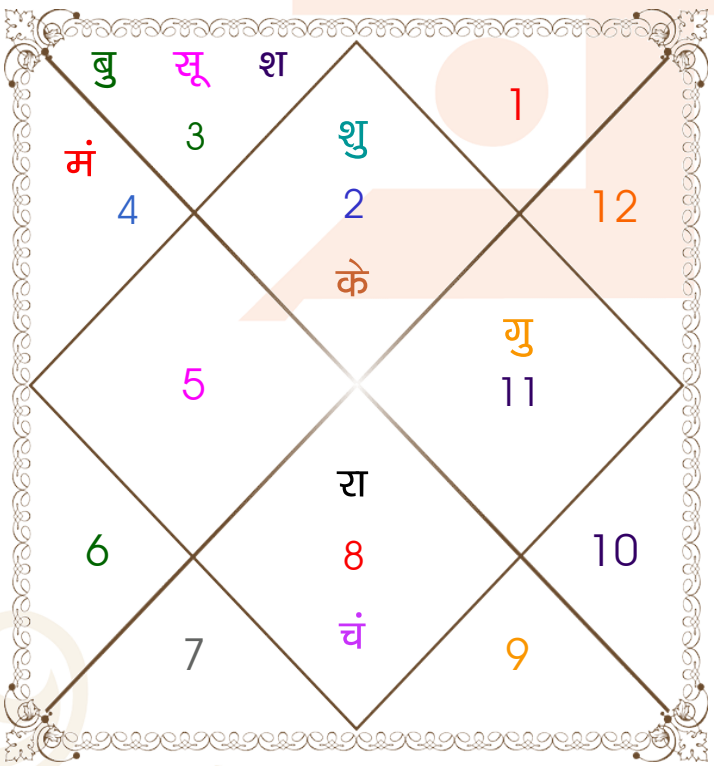

चन्द्र कुंडली

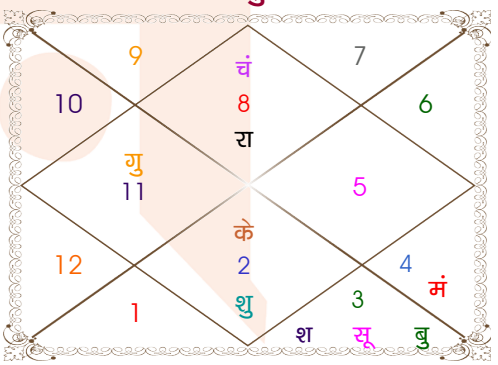

नवमांश कुंडली

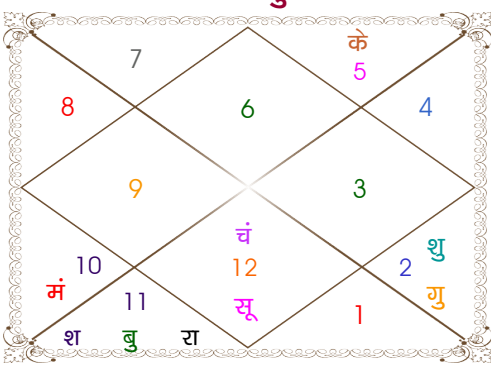

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 3 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/07/1974		04/10/1974		04/10/1981		04/10/2001		04/10/2007	
04/10/1974		04/10/1981		04/10/2001		04/10/2007		04/10/2017	
	00/00/0000	केतु	02/03/1975	शुक्र	02/02/1985	सूर्य	21/01/2002	चंद्र	04/08/2008
	00/00/0000	शुक्र	01/05/1976	सूर्य	03/02/1986	चंद्र	23/07/2002	मंगल	05/03/2009
	00/00/0000	सूर्य	06/09/1976	चंद्र	04/10/1987	मंगल	28/11/2002	राहु	04/09/2010
	00/00/0000	चंद्र	07/04/1977	मंगल	04/12/1988	राहु	23/10/2003	गुरु	04/01/2012
	00/00/0000	मंगल	03/09/1977	राहु	04/12/1991	गुरु	10/08/2004	शनि	04/08/2013
	00/00/0000	राहु	22/09/1978	गुरु	04/08/1994	शनि	23/07/2005	बुध	03/01/2015
	00/00/0000	गुरु	29/08/1979	शनि	04/10/1997	बुध	29/05/2006	केतु	05/08/2015
	03/07/1974	शनि	07/10/1980	बुध	04/08/2000	केतु	04/10/2006	शुक्र	04/04/2017
शनि	04/10/1974	बुध	04/10/1981	केतु	04/10/2001	शुक्र	04/10/2007	सूर्य	04/10/2017

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/10/2017		04/10/2024		04/10/2042		04/10/2058		04/10/2077	
04/10/2024		04/10/2042		04/10/2058		04/10/2077		03/07/2094	
मंगल	02/03/2018	राहु	17/06/2027	गुरु	21/11/2044	शनि	07/10/2061	बुध	02/03/2080
राहु	21/03/2019	गुरु	09/11/2029	शनि	05/06/2047	बुध	16/06/2064	केतु	27/02/2081
गुरु	24/02/2020	शनि	15/09/2032	बुध	10/09/2049	केतु	26/07/2065	शुक्र	29/12/2083
शनि	04/04/2021	बुध	05/04/2035	केतु	16/08/2050	शुक्र	25/09/2068	सूर्य	03/11/2084
बुध	01/04/2022	केतु	22/04/2036	शुक्र	16/04/2053	सूर्य	07/09/2069	चंद्र	05/04/2086
केतु	29/08/2022	शुक्र	23/04/2039	सूर्य	03/02/2054	चंद्र	08/04/2071	मंगल	02/04/2087
शुक्र	29/10/2023	सूर्य	17/03/2040	चंद्र	05/06/2055	मंगल	17/05/2072	राहु	19/10/2089
सूर्य	05/03/2024	चंद्र	16/09/2041	मंगल	11/05/2056	राहु	24/03/2075	गुरु	25/01/2092
चंद्र	04/10/2024	मंगल	04/10/2042	राहु	04/10/2058	गुरु	04/10/2077	शनि	03/07/2094

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।